INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VIII	Department: Hindi (2nd Lang)	Month- August-2023
Question Bank	Topic: - पाठ- जहाँ पहिया है	Note: Pls. check with your class work

अति लघु प्रश्न-उत्तर

प्रश्न 1- 'जहाँ पहिया है' के लेखक कौन हैं?
उत्तर - 'जहाँ पहिया है' के लेखक पी. साईनाथ जी हैं।
प्रश्न-2- 'पुडुकोट्टई' किस राज्य में है?
उत्तर - 'पुडुकोट्टई' तमिलनाडु राज्य में है।
प्रश्न3- साइकिल प्रशिक्षण से महिलाओं में कौन-सी भावना पैदा हुई ?
उत्तर - साइकिल प्रशिक्षण से महिलाओं में आत्मसम्मान की भावना पैदा हुई ।
प्रश्न4- खेतिहर मज़दूर का क्या अर्थ है ?
उत्तर- खेतों में काम करने वाले मज़दूरों को खेतिहर मज़दूर कहते हैं ।
प्रश्न 5- साइकिल को विनम्र सवारी क्यों कहा गया है ?
उत्तर - साइकिल को विनम्र सवारी कहा गया है क्योंकि जब चाहे जरा से प्रयास से साइकिल चलाना सीखा जा सकता है ।

लघु प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1- शुरूआत में पुरुषों ने इस आंदोलन का विरोध किया परंतु आर. साइकिल्स के मालिक ने इसका समर्थन किया, क्यों?
उत्तर- शुरूआत में पुरुषों ने इस आंदोलन का विरोध किया क्योंकि उन्हें डर था इससे नारी समाज में जागृति आ जाएगी। आर. साइकिल्स के मालिक उस गाँव के एकमात्र लेड़ीज साइकिल डीलर थे, इस आंदोलन से उनकी आय में वृद्धि होना स्वभाविक था। इसलिए उन्होंने स्वार्थवश आंदोलन का समर्थन किया।
प्रश्न 2- फातिमा ने कहा,"...मैं किराए पर साइकिल लेती हूँ ताकि मैं आज़ादी और खुशहाली का अनुभव कर सकूँ।" साइकिल चलाने से फातिमा और पुडुकोट्टई की महिलाओं को 'आज़ादी' का अनुभव क्यों होता होगा?
उत्तर - फातिमा के गाँव में पुरानी रूढ़िवादी परम्पराएँ थीं। वहाँ औरतों का साइकिल चलाना उचित नहीं माना जाता था। इन रुढियों व बंधनों को तोड़कर स्वयं को पुरुषों की बराबरी का दर्जा देकर फातिमा और पुडुकोट्टई की महिलाओं को निश्चित रूप से 'आज़ादी' का अनुभव होता होगा।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

प्रश्न 1- “...उन जंजीरों को तोड़ने का जिनमें वे जकडे हुए हैं, कोई-न-कोई तरीका लोग निकाल ही लेते है..” लेखक की इस बात से क्या आप सहमत हैं? अपने उत्तर का कारण भी बताइए।

उत्तर -“...उन जंजीरों को तोड़ने का जिनमें वे जकडे हुए हैं, कोई-न-कोई तरीका लोग निकाल ही लेते हैं .. लेखक के इस कथन से हम सहमत हैं क्योंकि मनुष्य का स्वभाव है कि अधिक समय तक बंधनों में नहीं रह सकता। समाज द्वारा बनाई गई रूढ़ियाँ अपनी सीमाओं को लाँघने लगती हैं तो समाज में इसके विरूद्ध एक क्रांति जन्म लेती है। ऐसी ही क्रांति तमिलनाडु के पुडुकोट्टई गाँव में हुई। महिलाओं ने अपनी स्वाधीनता व आज़ादी के लिए साइकिल चलाना आरंभ किया और आज वे आत्मनिर्भर हैं।

प्रश्न 2- ‘साइकिल आंदोलन’ से पुडुकोट्टई की महिलाओं के जीवन में कौन-कौन से बदलाव आए हैं?

उत्तर- ‘साइकिल आंदोलन’ से पुडुकोट्टई की महिलाओं के जीवन में निम्नलिखित बदलाव आए हैं -

1. महिलाएँ अपनी स्वाधीनता व आज़ादी के प्रति जागृत हुई।
2. कृषि उत्पादों को समीपवर्ती गाँवों में बेचकर उनकी आर्थिक स्थिति सुधरी और वे आत्मनिर्भर हो गईं।
3. समय और श्रम की बचत हुई।
4. उनमें आत्मसम्मान की भावना पैदा हुई।

प्रश्न 3- प्रारंभ में इस आंदोलन को चलाने में कौन-कौन सी बाधाएँ आईं ?

उत्तर- फातिमा ने जब इस आंदोलन की शुरूआत की तो उसको बहुत-सी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। उसे लोगों की फ़ब्तियाँ (गंदी टिप्पणियाँ) सुननी पड़ीं। फातिमा मुस्लिम परिवार से थी। उसके परिवार के लोग बहुत ही रूढ़िवादी थे। उन्होंने उसके उत्साह को तोड़ने का प्रयास किया। पुरुषों ने भी इसका बहुत विरोध किया। दूसरी कठिनाई यह थी कि लेड़ीज साइकिल वहाँ पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं थी।